

DPN 5582

Title: चाणक्य / CĀṆAKYA

Run. No. 6273

Cat. No.

Micro. No.

Subject नीति Didactic

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. / *महामाया ३३९१५*
Newa translation

Size in cms. 8'0 x 19'0

Folios 12

Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl.

stray
Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material: palmleaf / paper / *thyasaphu* /

Condition: *fine* / damaged by worms, rats, water / *smoke*

Beginning, colophon, post-colophon :

centimeter

5

10

15

20

गाउतमाल नुगंरुनसनांकुदनिशुवदाव कार्ययाशिवमशिवमशुव
दाव ध्वक्रनाजालुगंमाल नधनाजायाकार्यनागशुय ४॥ १५ ॥ शौरि
शायसूनामुख ४ थखकावाशियावक धनिस्त्रदावंधुवगथ एरुग
सामसूखं नाविसतिसमन दकु थखत नमुखवकार्यसथखन ॥ श्रुयाक
यमया ॥ शमिनाथखन संतदाम दामजनथखत ॥ धग खडतन म
रुमदययसुखदच ॥ १५ ॥ ननकश्रिणकस्याविमिग नन श्रितार
विमिग १॥ कारुवजायक मिशानिविद ॥ १५ ॥ मिशुदयूकान

॥ निगहियातासनया वाचकया कथया जगंमया विद्यग्निया धनस
 गतिरुनंनजा ॥ ८२ ॥ वाधितस्यार्थहीनस्य शक्ररिह्यानिहस्य
 हृदयलोकादयस्या सूक्ष्मज्ञानंमोषधं ॥ वाधिनयितुल्यंवाग्मयाध
 यत् वषयमास्यवाग्मयाधखत ॥ शक्रवात्त्रादवाग्मयाधखत ॥ हृदय
 नसो कनदहनयवाग्मयाधखत ॥ धनयाडीबधीरुन हकियाखालमायन
 ८३ ॥ आउल्यवासनयाक हृदिदण्डविगुहं ॥ नाजवाग्मज्ञानवा
 यतिष्ठतिसवाहवा ॥ वायुधखत आयुहिसुधखत नमदलधखत
 म

शक्रवाधखत ॥ नाजासकृद्विहृनदासंथखत ॥ धनसविवाचयाक
 रकार्यदगदासी ॥ क्वंयुधाय ॥ ८४ ॥ रावणुद्विमनूयाणां हृत्
 वांसद्वकमस ॥ रावेनयुविताकाक रावेनदृष्टिगानता ॥ मनूयायाक
 कासम ॥ मृद्विहृनरावमागख ॥ सुवृववयनं ॥ क्वययाखालमयव
 मागनख ॥ ८५ ॥ नदवाविद्यगकाष्ठ यावाननवमृमयं ॥ रावयुव
 यतधव तस्मावेकावामरुन ॥ वाकामदवमदा मिसदवमद
 वासंदवमद ॥ रावमागलखदवशन ॥ धनपूर्यनरावखंतव ॥

६६ नागिखाणांदवताचार्य हनमाचार्यदवता ॥ दवतायाविनारुली
 वाक्कणाजानदवता ॥ नागिखायादवगुन् गुन्यादवरुन ॥ मुयादवय
 नय सादवादववाक्क ॥ ६७ ॥ विषययथावदिः नाचार्ययस्यदवता
 ॥ नवृक्षीयस्यतथाभागा मिषययथासूत ॥ वाक्कणशायरुनअग्नि
 गथा ॥ गुन्यायरुनदवताथानमासमायरुनविधिवीथा ॥ नायसामि
 नमिषवाउला ॥ ६८ ॥ गुन्याग्निदिजागीनी वधूनांवाक्कणा
 नृयतिनकागुन्या ॥ सर्वस्यागगागुन्या ॥ वाक्कयादवतारुन

अग्निदवता ॥ वरुवर्ह्यावैदवतारुनथवपून्व ॥ लाकसमरुसगु
 रुनअग्नागगा ॥ ६९ ॥ डरुमस्यायिवर्ह्या नीवायागुरुमागगा
 धृजतीयागथाचार्य सर्वस्यागगागुन्या ॥ डरुमजागितनसना
 नीवजागिरुनसना ॥ अग्नागगावदनदाव धृजायायमात्त स्या
 सिनअग्नागगागुन्या ॥ ७० ॥ दवतायूजयरुन ॥ रुखादाननय
 जयरुन ॥ समैदधृजायकावग विमाणांमरितन्दन ॥ दवयूजव
 सादमारुन ॥ डगावैनयूजनयदामन ॥ मडयूजनयथेथेडवत

न ॥ द्वा ॥ यज्ञ नयनमस्तु लायादन ॥ ८९ ॥ धर्मसामूलनाजानं तथा
 मूलवका कला ॥ वक्रनायगुयुक्तं गतधर्मसनागत ॥ नाजायाधर्म
 मूल वाकलयागयमूल ॥ अन्त्यागयाग्य वाकलयेयुक्त नयनं नधर्म ॥ ९०
 ॥ अन्त्यागयलनधर्म ॥ मावायैरुलतधर्म ॥ अन्त्यागयलमायागि ॥
 वावाकलतलकल ॥ धर्मरुलाययिकिववावायैल ॥ लकीलवावायैल
 रुलमौनययकिव ॥ ९१ ॥ राकलराजनगकिश्च ॥ नतिलकिश्च
 क्रिय ॥ विरवादनगकिश्च ॥ नाल्यमातयनरुल ॥ नकरावक्रन

नकधरत ॥ नतीसामर्थक्ययवक्रं यनमूलायनययवधरत ॥ दवो
 ध्वनवदागालरुयैवायधत ॥ विकटिगयन ध्वनयनायमदृग ॥ ९४
 ॥ वालवेववधर्म ॥ मतिरुंरुलजीविन ॥ रुलनामविलकोन ॥
 ध्वनयननरुल ॥ वालसधर्मयायमात ॥ अतिरुंरुलमावमात ॥
 ध्वनमा ॥ ध्वनयनरुल ॥ ध्वनमाय ॥ ९५ ॥ मकरध्वन ॥
 ध्वन ॥ ध्वनयनरुल ॥ ध्वनमाय ॥ ९६ ॥ ध्वनयनरुल ॥
 ध्वन ॥ ध्वनयनरुल ॥ ध्वनमाय ॥ ९७ ॥ ध्वनयनरुल ॥
 ध्वन ॥ ध्वनयनरुल ॥ ध्वनमाय ॥ ९८ ॥ ध्वनयनरुल ॥

यव x

मायु यमादिह नदावह दाना मरुतालय ॥ ७३ ॥ अदी न नोदम
 कोमो दगा लुका नसा कैखिका १५ ५ यडी वारुणा कन्या स्वार्थया क कि
 यादगा ॥ भम मरु नदा वहा मखं खाल ज न साकि मथा मारु क या ज न
 खाल ज न ॥ वग डि दाम मका सां विया क न्या खाल ज न थ वत ज थ न या
 व या द ज न खाल ज न ॥ ७४ ॥ दानि द वा धि द्द खानि व ध न वा ग
 नानि व १ वा दा दु ख ल म तानि ग स्मा दान वि गि या न ॥ यू व ज न म स स्व
 स्य दानं म या दा या रु ल न दानि द ज यू व ध न म यू अ य हि ना यू व ध

ग म माल क न दान या य ध मी या य की क्रिया य माल ॥ ७५ ॥ यून
 का व व धा ना य यू य लु लु व ज रु व १ ता द ग ध म न य य य व ध म
 वि हि स्तु त १ ॥ य न य म न य ध म स न ग म रु व अ ध मी क म न य वा
 म ज न मा क क थ १ ज रु ज न सा ज ल थ ध न ता द ग १ ॥ ७६ ॥
 थ ज द क न र म र्ग ॥ र ज मा ध म मा ग म १ क न य नां म दा ना र्ग म
 न नि य म नि य ता ॥ अ धि न स सं सा न रा न र्ग दू र्ज न व य मं ग ता ज न
 न ॥ सा धू ज न वा य मं ग या रु न १ अ र्जा ना य यू न या रु न ॥ ७७ ॥

15

10

5

निबानक यथमसरुकसमाक १॥ ६३॥ सामर्थ्यद्वयाद्वि
 दान् ननद्यानौनितियद्वयावदार्थवद्वयाविद्या ६३॥ नानाशानवद्व
 या ॥ विद्यासियामिखाशुनंशाकु नाजासमिखातननिवि ॥ वाक्कलयाभि
 जन ॥ वद ॥ ६३॥ नाजायामिखाशुनं तनि ॥ ६०॥ नाजाधर्मनिधम
 ६॥ ४ याययायसमागर्म ॥ नाजातद्वृलिमात यथा ॥ नाजाधर्मायजा
 ॥ नाजाधर्मीशुनसायजाधर्मिशयिता ॥ नाजाधर्मायजाधर्मिशयिता
 ॥ नाजाधर्मायजाधर्मिशयिता ॥ नाजाधर्मायजाधर्मिशयिता

0

cmts.

5

10

15

20

25

नसिंघनासगुरुगदयादाकायस २॥
 जिह्वाधिंगाकृतवियालयसविदाहया २॥
 साकलशवरुमिन् दायाविगुणसंदनि ॥ गुणायिकावतांयादि वदी
 दतविष्मतिः ॥ अतूकलरिनदामा दावयालंगुणमदाववर्त्त विधा
 ताविमुखरुनदामा गुणयालदावणरुन ॥ २०३ ॥ किदनासिकन ३५
 रु ४५ कमान ४५ कमीरु ४५ यायनवदिमखा ॥ ददिकमानमादिगी ४५
 रुनीक्रमनूयाहयावद्वय धवकर्मलक्याथनवमगाक मुखनायी

वयस्कलदव वृद्धिशयिकर्मांलिय ना २०४॥ हस्तसारवर्णदानं स
यकष्टसारवर्ण १५५॥ चरुवर्णक १५५॥ हस्तलोहकियुयाजानं १५५॥
गयाआलंकावदानं कष्टयाआलंकांलंमय १५५॥ गयाआलंकांल धर्म
खंडन १५५॥ आरुनननतियायायाज न कयायना २०५॥ वलिका रूधराणा
शुभा १५५॥ इमाणायूय रूधराणा १५५॥ सुवृत्तिरूधराणांयसा यातीनां रूधराणां
मा १५५॥ रूधयाआलंकांल सवनिगरेय सिमायासुकोज नव दायद दाय
१५५॥ मिऊनयासासा सुवृत्तिनवरुनययक १५५॥ मिमसागावदयालंकांल

15

१२०८॥ नदगुरुखर्णवत्ता नालिगाहवधयतिः पृथिवीरुवणं
 जा मीनमवर्णयत्त ॥ नदगुरुयाश्रुलंकालवत्ता मिनायाश्रुलोका
 लयवत्त पृथिवीयाश्रुलंकालवत्ता समस्तयाश्रुलंकालवत्ता कामूजीनदय
 ॥ १२०९॥ मदातापितवत्त नानीवामानमरुमः कसालिमतनद्यान
 कानीयवत्तवत्ता ॥ कवत्ता ॥ दाशवदास्यं जयमाणास्य गोवत्तवत्त
 दावमानमरुमः धनाथाधनासा कसूमेनवत्तवत्ता ॥ कानीय
 नामयाखलाधेश्वरं ॥ १२०८॥ पुत्रिः मिगकायं पुचित्तानीयतिव

10

5

॥ पुविः दमाकवाजा संनद्यावाकलाः पुविः दमा सुंम वाग्वत्तवत्त
 नदावपु विरुनं मिनायतिवत्ता ॥ पुविः ॥ नाजादमाधनिरुनदा
 वपु विः वाकला पुविः संनद्याविरुनदा वपु विः ॥ १२०८॥ पुविः
 मिगकायं यजुस्तदानविश्वं ॥ लयस्तनंधविश्वं जमस्तनंधविः
 पुविः ॥ वंसवायामदत्तवाग्वत्तवत्त पुविः ॥ यायाथायताउतावमनवाग्व
 पुविनं पुविधाय ॥ १२०९॥ रुमना पुविः कायं नाममस्तनंधविः
 तिः ॥ नजसा पुविः नानी नदीवत्तनंधविः ॥ नलिनवायाव कलापु

नया तुल्य ॥ १६० ॥ नदनात्तमदिदयात् रुन्नामाननदण्णक ॥ १७५
 : ३० कायनिरुज रुदनासयप्रित्तित ॥ थमस्यायमभव सा ३५ य
 ॥ १७५ ॥ थस्रगागाउगाद रुदियुत्तिननाजस नानक वस ॥ १७५
 नमान्मरुदण्णदाव नमयनयमेथून ॥ यवृत्तिनवरुणाज नेवृत्ति
 रुमहारुत्त ॥ लानयानदायमदा थगाठानदायनमदा ॥ मसवव
 यानदायमदा यालियास्रगाववावनथक निवृत्तिया ॥ १७५
 मदा मदा रुत्तक ॥ १७५ ॥ यवृत्तिनवरुणाज नेवृत्ति

निनखादत्राथियामास्र ॥ १७५ ॥ यवृत्तिनवरुणाज नेवृत्ति
 रुमहारुत्त ॥ लानयानदायमदा थगाठानदायनमदा ॥ मसवव
 यानदायमदा यालियास्रगाववावनथक निवृत्तिया ॥ १७५
 मदा मदा रुत्तक ॥ १७५ ॥ यवृत्तिनवरुणाज नेवृत्ति

15

10

5

यः प्राणद्वयानिषट् वा शुक्लालेला उक्तिकला सृष्ट्यासृष्ट्यं अमर
 नधनि सृष्टमेधुनकोशन रुदकसृष्टिं धृष्टानं दारुणनयागमा
 वक्ररुव ॥ १८७ ॥ सद्यमानां धृष्टसद्य नालीनु दालराजनकोदधु
 दकनरुदध्या सद्यप्राणकोदधु दालकमादावा नककायाध
 व वालमी दूदवाजान स्वमूलधन रोमाध्याद्युयान धृष्टानं या
 लकनाश्व कल्दणन ॥ १८८ ॥ अत्र दृग्गुणं दृष्ट दृष्टादृग्गुणं
 यः १८९ ॥ यसाद्युगुणं मानं मानं दृग्गुणं धृष्ट ॥ अत्र याकनान वा

गुणमट् मरयावाउ दूद दूदयाद गुणला लायाकनान वा १९०
 लघुत ॥ १९१ ॥ यं वदियनिनमति स द्याल धृष्टानन ॥ अत्र निन
 नीवकामीच गुवृद्धवीरथेवच ॥ धर्माकोतान उवतिनना यायू र
 द्वा लारि यनयनरुव अनीमाननकोव कामी गुवृद्धवी दृढकर्म
 ननानमायू ॥ १९२ ॥ लारिविधयवदेष मर्यादमर्यादादिति १
 अत्र दानशीलश्च सकारिर्द्वयकमरु ॥ सादक यदमर्य मर्यावा
 दीदका ॥ अ लारिदका दानशीलश्च धर्ममगानमृधवी धनयद

15

10

5